



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 148] नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 28, 1983/चैत्र 7, 1905
No. 148] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 28, 1983/CHAITRA 7, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1983

का०आ० 233(अ)/18कक/आई डी आर ए/82:—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 319 (अ)/18एए/आईडीआरए/76, तारीख 27 अप्रैल, 1976 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), केन्द्रीय सरकार ने मैसर्स प्लाईवोर्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, पाम्पीर, जम्मू-कश्मीर नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध पांच वर्ष की अवधि के लिए, अर्थात्, 26 अप्रैल, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, ग्रहण करने के लिए जम्मू एण्ड कश्मीर इंडस्ट्रीज लिमिटेड को प्राधिकृत किया था ;

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् भी बना रहे, 31 मार्च,

1517 GI/82

1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए ऐसे बने रहने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए थे [देखिए भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 318 (अ)/18कक/ओ० वि०वि०अ०/81, तारीख 25 अप्रैल, 1981, का०आ० 287 (अ)/18कक/आईडीआरए/० तारीख 26 अप्रैल, 1982 और का०आ० 763(अ)/18कक/आई०डी०आर०ए०/82, तारीख 25 अक्टूबर, 1982 ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहे ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 85) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त आदेश 30 सितम्बर,

(1)

1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा०सं० 2(6)/81-सीयूएस]

ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th March, 1983

S.O. 233(E)/18AA/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 319(E)/18AA/IDRA/76, dated the 27th April, 1976 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government had authorised the Jammu and Kashmir Industries Limited to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Plyboard Industries Limited, Pampore, Jammu and Kashmir, for a period of five years, that is, upto and inclusive of the 26th April, 1981 ;

And, whereas, the Central Government being of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of five years aforesaid, had issued directions from time to time, for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1983 [vide Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 318(E)/18AA/IDRA/81, dated the 25th April, 1981, S.O. 287(E)/18AA/IDRA/82, dated the 26th April, 1982 and S.O. 763(E)/18AA/IDRA/82, dated the 25th October, 1982].

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th September, 1983 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA read with the proviso to sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 30th September, 1983.

[File No. 2(6)/81-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.